भारत और लातविया के बीच निकट सहयोग की अपार संभावना है - लोक सभा अध्यक्ष

रीगा (लातविया) 14 जून, 2018 : लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो लातविया की यात्रा पर गए भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रही हैं, ने आज अर्थात 14 जून, 2018 को रीगा में लातविया के प्रधानमंत्री, श्री मैरिस कुचिनस्किस से मुलाकात की।

यह टिप्पणी करते हुए कि वर्ष 1991 में लातविया की स्वतंत्रता के बाद से दोनों लोकतान्त्रिक देशों के बीच परंपरागत रूप से घनिष्ठ संबंध और मजबूत हुए हैं, श्रीमती महाजन ने कहा कि भारत और लातविया के बीच निकट सहयोग की अपार संभावना हैं। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि भारत और लातविया की राजनीतिक प्रणालियों में समानताएं हैं जिनके कारण दोनों देशों के बीच आपसी संबंध स्थापित हुए हैं। श्रीमती महाजन ने यह भी कहा कि नवंबर 2017 में श्री कुचिनस्किस की भारत की ऐतिहासिक यात्रा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात ने द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करने और उन्हें और मजबूत करने की आधारशिला रखी थी।

संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर भारत के निरंतर समर्थन के लिए लातविया की सराहना करते हुए श्रीमती महाजन ने कहा कि एन एस जी की सदस्यता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में भारत की सदस्यता के लिए लातविया के समर्थन से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का पता चलता है। श्रीमती महाजन और श्री मैरिस कुचिनस्किस, दोनों ने ही संयुक्त राष्ट्र में सुधारों और एन एस जी में भारत की सदस्यता की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि द्विपक्षीय व्यापार का वर्तमान स्तर, जो वर्ष 2016-17 में 155.25 मिलियन अमरीकी डॉलर था, व्यापार और वाणिज्य और विशेष रूप से लॉजिस्टिक्स आदि जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच मौजूद वास्तविक संभावना के अनुरूप नहीं है। उन्होंने दोनों देशों से व्यापार बढ़ाने के लिए सभी संभव प्रयास करने का आग्रह किया।